नवीन पाठ्यपुस्तकों तथा नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित

संजीव®

आल इन वन

सत्र 2023-24 से पाठ्यपुस्तकों में भारी बदलाव किया गया है।
यह संजीव आल इन वन पूर्णतः नवीन परिवर्तित पाठ्यपुस्तकों पर आधारित है।

- पाठ्यपुस्तकों के सम्पूर्ण अभ्यास प्रश्नों का हल
- अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- हिन्दी के पद्य पाठ, अंग्रेजी एवं संस्कृत के सभी पाठों का हिन्दी अनुवाद
- हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत में पाठ्यपुस्तकानुसार व्याकरण का समावेश
- सभी महत्त्वपूर्ण मानचित्रों का समावेश

कक्षा **7**

मूल्य **640.00**

संजीव प्रकाशन, जयपुर
Visit us at : www.sanjivprakashan.com

इस पुस्तक के सम्बन्ध में जानकारी

गुरुजनों से निवेदन

हमारे अनुभवी लेखकों तथा विषयाध्यापकों ने इस पुस्तक में विद्यार्थियों के लिए अत्यन्त उपयोगी सामग्री प्रस्तुत की है। वस्तुतः इनमें योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों के कठिन परिश्रम का निचोड़ समाविष्ट है। प्रत्येक विषय का सरल प्रतिपादन, पाठ्य सामग्री का वर्णन और सम्प्रेषण छात्रों के स्तरानुरूप हो, इन बातों का पूरा ध्यान रखा गया है। इस पुस्तक में पाठ्यपुस्तकों के अभ्यास प्रश्नों का सम्पूर्ण हल तो दिया ही गया है साथ ही परीक्षा के दृष्टिकोण से अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का भी समावेश किया गया है। इस पुस्तक में सभी प्रमुख विषयों का पाठ्यक्रमानुसार अत्यन्त सारगर्भित वर्णन किया गया है जो कि विद्यार्थी के लिए अत्यन्त लाभप्रद होगा।

आपका सहयोग एवं आगामी संस्करण के लिए आपके बहुमूल्य सुझाव एवं निर्देश अपेक्षित हैं।

प्रकाशक

विद्यार्थियों को पुस्तक के सम्बन्ध में जानकारी

- कक्षा 7 में सत्र 2020-21 से राजस्थान पाठ्य पुस्तक मण्डल द्वारा NCERT की पाठ्यपुस्तकों को लगाया गया है। इन पाठ्यपुस्तकों में प्रत्येक अध्याय के अन्त में दिए गये अभ्यास प्रश्नों के अतिरिक्त अध्यायों के बीच-बीच में भी विभिन्न प्रकार के प्रश्न दिये हुए हैं। इन प्रश्नों में जो भी प्रश्न विद्यार्थियों के लिये उपयोगी हो सकते हैं उन सभी के उत्तर इस **संजीव आल इन वन** में दिये गये हैं। अध्याय के बीच-बीच में आये इन प्रश्नों को इस **संजीव आल इन वन** में **'पाठ-सार'** के बाद **'पाठगत प्रश्न'** शीर्षक के अन्तर्गत दिया गया है। साथ ही विद्यार्थियों की सुविधा के लिए पाठ्यपुस्तक में जिस पृष्ठ पर इस प्रकार के प्रश्न दिये गये हैं उसकी पृष्ठ संख्या भी **संजीव आल इन वन** में दी गयी है।
- प्रत्येक पाठ या अध्याय के प्रारम्भ में संक्षेप में उसका सार दिया गया है। हमारे विद्वान लेखकों द्वारा इस पाठ-सार में 'गागर में सागर' भरने का प्रयास किया है। विद्यार्थी इसे पढ़कर पूरे पाठ का निष्कर्ष सरलता से समझ सकते हैं।
- पाठ्यपुस्तकों के समस्त अभ्यास प्रश्नों का सम्पूर्ण हल दिया गया है साथ ही परीक्षा के दृष्टिकोण से अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का भी समावेश किया गया है।
- प्रत्येक पाठ या अध्याय में **वस्तुनिष्ठ, अतिलघूत्तरात्मक, लघूत्तरात्मक** एवं **निबन्धात्मक** आदि सभी प्रकार के प्रश्नोत्तर दिये गये हैं। परीक्षा में जिस-जिस प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं, उन सभी को इस पुस्तक में दिया गया है।
- यह पुस्तक प्रश्नोत्तर रूप में श्रेष्ठ पुस्तक ही नहीं बल्कि **अभ्यास पुस्तिका** भी है। इसके अध्ययन से विद्यार्थी परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त कर सकेंगे– ऐसा हमें पूर्ण विश्वास है।

प्रकाशक

प्रकाशक
संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर
© प्रकाशकाधीन

लेजर टाइपसैटिंग
संजीव प्रकाशन (D.T.P. Dept.), जयपुर
अक्षत कम्प्यूटर्स, जयपुर
मेगा ग्राफिक्स, जयपुर

कक्षा-7 आल इन वन की विशेषताएँ

* पाठ्यपुस्तकों के सम्पूर्ण अभ्यास प्रश्नों का हल। अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नों के अन्तर्गत परीक्षोपयोगी सभी प्रकार के प्रश्नों का समावेश।

* पाठ्यपुस्तकों में अध्यायों के बीच-बीच में भी विभिन्न प्रकार के प्रश्न दिये हुए हैं। विद्यार्थियों के लिए उपयोगी इन सभी प्रश्नों के उत्तर 'पाठगत प्रश्न' शीर्षक के अन्तर्गत दिये गये हैं।

* अंग्रेजी एवं संस्कृत के सभी पाठों का कठिन शब्दार्थ सहित हिन्दी अनुवाद।

* हिन्दी के सभी पद्य पाठों की सप्रसंग व्याख्या।

* हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत में पाठ्यपुस्तकानुसार एवं पाठ्यक्रमानुसार व्याकरण का समावेश।

* सभी विषयों का वर्णन सन्तुलित दिया गया है। किसी भी विषय में न तो अनावश्यक मैटर दिया गया है और न ही किसी Topic को छोड़ा गया है।

छात्र/छात्रा का नाम .....

कक्षा ..... वर्ग .....

विषय .....

विद्यालय का नाम .....

आल इन वन

कक्षा-7

विषय-सूची

ENGLISH

HONEYCOMB

1. Three Questions 1
   1(i) The Squirrel 8
2. A Gift of Chappals 10
   2(i) The Rebel 20
3. Gopal and the Hilsa-Fish 23
   3(i) The Shed 26
4. The Ashes That Made Trees Bloom 28
   4(i) Chivvy 35
5. Quality 38
   5(i) Trees 44
6. Expert Detectives 46
   6(i) Mystery of the Talking Fan 52
7. The Invention of Vita-Wonk 54
   7(i) Dad and the Cat and the Tree 58
   7(ii) Garden Snake 61
8. A Homage to Our Brave Soldiers 62
   8(i) Meadow Surprises 76

GRAMMAR AND VOCABULARY

GRAMMAR

1. Articles 79
2. Adjective (Degrees of Comparison) 81
3. Adverbs of Manner 84
4. Preposition 86
5. Tenses 88
6. 'IF' For Open Condition 100
7. Framing Questions 102
8. Indirect Speech/Reported Speech 104
9. Phrasal Verbs 108

VOCABULARY

1. Sound 112
2. Missing Letter 113
3. Opposites/Antonyms 114
4. Homophones 118
5. Number 120
6. Gender 124
7. Suitable Words 125
8. One Word 128
9. Prefix and Suffix 133
10. Odd-One-Out 135

READING

Unseen Passages 136-142

WRITING

1. Paragraph Writing 142-153
2. Story Writing 153-162
3. Dialogue-Writing 162-163
4. Letter/Application Writing 163-170
Letters 163
Applications 166
Oral Examination 170-174
Useful Words of Daily Use 174-176

हिन्दी

वसंत : भाग-2

1. हम पंछी उन्मुक्त गगन के (कविता) 177
2. हिमालय की बेटियाँ (निबन्ध) 181
3. कठपुतली (कविता) 186
4. मिठाईवाला (कहानी) 189
5. पापा खो गए (नाटक) (मराठी) 193
6. शाम-एक किसान (कविता) 197
7. अपूर्व अनुभव (संस्मरण) (जापानी) 201
8. रहीम के दोहे (कविता) 204
9. एक तिनका (कविता) 208
10. खान-पान की बदलती तसवीर (निबन्ध) 211
11. नीलकण्ठ (रेखाचित्र) 216
12. भोर और बरखा (कविता) 221
13. वीर कुँवर सिंह (जीवनी) 224
14. संघर्ष के कारण मैं तुनुकमिजाज हो गया : धनराज (साक्षात्कार) 229
15. आश्रम का अनुमानित व्यय (लेखा-जोखा) 232

व्याकरण-खण्ड

1. संज्ञा 236
2. सर्वनाम 237
3. विशेषण 238
4. क्रिया 240
5. वचन 241
6. कारक 242
7. लिंग 243
8. सन्धि 244
9. समास 245
10. उपसर्ग 246
11. प्रत्यय 247
12. विलोम 249
13. पर्यायवाची 250
14. तत्सम शब्द 251
15. युग्म शब्द 252
16. अशुद्धि 253
17. मुहावरे 253
18. लोकोक्तियाँ/कहावतें 255
19. शब्द-समूह के लिए एकल शब्द (स्थानापन्न शब्द) 257
20. पुनरुक्त शब्द 258
21. अनेकार्थक शब्द 259
22. विराम चिह्न 260

अपठित **261-263**

रचना

1. पत्र-लेखन 264-266
2. निबन्ध-लेखन 266-273
3. कहानी-लेखन 273-275

मौखिक परीक्षा **276**

संस्कृत

रुचिरा-द्वितीयो भागः

प्रथमः पाठः सुभाषितानि 277
द्वितीयः पाठः दुर्बुद्धिः विनश्यति 280
तृतीयः पाठः स्वावलम्बनम् 284
चतुर्थ पाठः पण्डिता रमाबाई 288
पञ्चमः पाठः सदाचारः 293
षष्ठः पाठः सङ्कल्पः सिद्धिदायकः 296
सप्तमः पाठः त्रिवर्णः ध्वजः 301

अष्टमः पाठः अहमपि विद्यालयं गमिष्यामि 306
नवमः पाठः विश्वबन्धुत्वम् 311
दशमः पाठः समवायो हि दुर्जयः 315
एकादशः पाठः विद्याधनम् 319
द्वादशः पाठः अमृतं संस्कृतम् 322
त्रयोदशः पाठः लालनगीतम् 326

व्याकरण एवं लेखन/रचना
(परिशिष्ट सहित)

1. वर्णविचारः 329–330
2. कारकम् 330–332
3. शब्द-रूपाणि 332–338
4. धातु-रूपाणि 338–342
5. संख्यावाचकाः शब्दाः (१ तः १००) 342–344
6. विशेषण 344–345
7. सन्धि-ज्ञानम् 345–347
8. प्रत्यय 347–348
9. उपसर्ग-ज्ञानम् 348–350
10. अव्यय-ज्ञानम् 350–352
11. विलोम-पदानि 352
12. पर्याय-पदानि 352–353
13. चित्र-वर्णनम् (वाक्य-रचना) 353–354
14. प्रार्थना-पत्रम् 354–355
15. संस्कृत अनुवाद 355–356
16. लघु निबन्ध रचना 356–357
17. कथालेखनम् 357–358
18. अपठित-अवबोधनम् 358–360

श्लोक-लेखनम् 360

विज्ञान

1. पादपों में पोषण 361
2. प्राणियों में पोषण 368
3. ऊष्मा 376
4. अम्ल, क्षारक और लवण 384
5. भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन 392
6. जीवों में श्वसन 399
7. जंतुओं और पादप में परिवहन 408
8. पादप में जनन 416
9. गति एवं समय 423
10. विद्युत धारा और इसके प्रभाव 432
11. प्रकाश 440
12. वन : हमारी जीवन रेखा 448
13. अपशिष्ट जल की कहानी 454

गणित

1. पूर्णांक 462
2. भिन्न एवं दशमलव 470
3. आँकड़ों का प्रबन्धन 484
4. सरल समीकरण 495
5. रेखा एवं कोण 506
6. त्रिभुज और उसके गुण 516
7. राशियों की तुलना 532
8. परिमेय संख्याएँ 545
9. परिमाप और क्षेत्रफल 559
10. बीजीय व्यंजक 568
11. घातांक और घात 574
12. सममिति 584
13. ठोस आकारों का चित्रण 595

दिमागी कसरत 603

सामाजिक विज्ञान

हमारे अतीत–2 (इतिहास)

1. प्रारम्भिक कथन : हजार वर्षों के दौरान हुए परिवर्तनों की पड़ताल 606
2. राजा और उनके राज्य 613
3. दिल्ली : बारहवीं से पन्द्रहवीं शताब्दी 621
4. मुगल : सोलहवीं से सत्रहवीं शताब्दी 627
5. जनजातियाँ, खानाबदोश और एक जगह बसे हुए समुदाय 632
6. ईश्वर से अनुराग 640
7. क्षेत्रीय संस्कृतियों का निर्माण 649
8. अठारहवीं शताब्दी में नए राजनीतिक गठन 656

सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन–2

इकाई–1. : भारतीय लोकतन्त्र में समानता

1. समानता 662

इकाई–2. : राज्य सरकार

2. स्वास्थ्य में सरकार की भूमिका 666
3. राज्य शासन कैसे काम करता है 673

इकाई–3. : लिंग बोध–जेंडर

4. लड़के और लड़कियों के रूप में बड़ा होना 679
5. औरतों ने बदली दुनिया 684

इकाई–4 : संचार माध्यम

6. संचार माध्यमों को समझना 689

इकाई–5 : बाजार

7. हमारे आस–पास के बाजार 695
8. बाजार में एक कमीज़ 702

हमारा पर्यावरण (भूगोल)

1. पर्यावरण 708
2. हमारी पृथ्वी के अंदर 712
3. हमारी बदलती पृथ्वी 716
4. वायु 722
5. जल 728
6. मानव–पर्यावरण अन्योन्यक्रिया : उष्णकटिबन्धीय एवं उपोष्ण प्रदेश 732
7. रेगिस्तान में जीवन 738

हमारा राजस्थान भाग–2

1. वन, वन्य जीव एवं संरक्षण 742
2. खनिज एवं ऊर्जा संसाधन 745
3. कृषि एवं सिंचाई 748
4. राजस्थान में कृषि विपणन 751
5. राजस्थान में व्यापार 754
6. राजस्थान के प्रमुख शासक 757
7. आजादी का आन्दोलन और राजस्थान 760
8. आजादी से पूर्व राजस्थान में सामाजिक–शैक्षणिक सुधार 765
9. संविधान निर्माण में राजस्थान का योगदान 769

मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न 774–776

◆◆◆

ये हम नहीं कहते, जमाना कहता है

संजीव पास बुक्स है नं. 1

कक्षा 3 से एम.ए. के लिये

दैनिक भास्कर — राजस्थान का प्रमुख दैनिक

जयपुर, 12 जुलाई, 2022

सफलता का पर्याय बनीं संजीव पास बुक्स

जयपुर। लंबे समय से संजीव पास बुक्स अपनी उच्च गुणवत्तायुक्त पाठ्यसामग्री, नवीनतम घटनाक्रम, प्रमाणित आंकड़ों तथा सरल भाषा के कारण विद्यार्थियों में सर्वाधिक लोकप्रिय बनी हुई है। लाखों विद्यार्थी संजीव पास बुक्स से अध्ययन कर सफलता अर्जित कर रहे हैं। स्कूल स्तर के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 3 से 9 के लिए संजीव आल इन वन, कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव पास बुक्स, अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 5 से 8 के लिए संजीव रिफ्रेशर आल इन वन, कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव रिफ्रेशर प्रकाशित की जाती हैं। कॉलेज स्तर पर भी राजस्थान के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमानुसार प्रथम वर्ष से एम.ए. तक के लिए संजीव पास बुक्स प्रकाशित की जाती हैं। संजीव प्रकाशन के निदेशक प्रदीप मित्तल एवं मनोज मित्तल के अनुसार संजीव पास बुक्स सहित अन्य सभी पुस्तकें पूर्णत: नवीनतम पाठ्यपुस्तकों एवं नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार तैयार कराई जाती हैं।

राजस्थान पत्रिका — राजस्थान का प्रमुख दैनिक

जयपुर, 7 जुलाई, 2022

विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बनी संजीव पास बुक्स

जयपुर। संजीव पास बुक्स अपनी पाठ्यसामग्री, नवीनतम घटनाक्रम और सरल भाषा के चलते विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित हो रही है। संजीव प्रकाशन के निदेशक प्रदीप मित्तल एवं मनोज मित्तल का कहना है कि हमारी पुस्तकें नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार तैयार कराई जाती हैं, जिसमें अनुभवी विशेषज्ञों का योगदान होता है। साथ ही समय-समय पर इन्हें अपडेट भी किया जाता है, इससे सहायक पुस्तकों के रूप में विद्यार्थियों के लिए ये बहुत उपयोगी हो जाती हैं। गौरतलब है कि संजीव पास बुक्स, संजीव इंग्लिश कोर्स, संजीव साइंस पुस्तकें, रिफ्रेशर आदि पुस्तकों की कक्षा 3 से एम.ए. तक के छात्रों के बीच अच्छी डिमांड है।

दैनिक नवज्योति — राजस्थान का प्रमुख दैनिक

जयपुर, 6 जुलाई, 2022

विद्यार्थियों में सर्वाधिक लोकप्रिय संजीव पास बुक्स

जयपुर। लम्बे समय से संजीव पास बुक्स अपनी उच्च गुणवत्तायुक्त पाठ्यसामग्री, नवीनतम घटनाक्रम, प्रमाणित आंकड़ों तथा सरल भाषा के कारण विद्यार्थियों में सर्वाधिक लोकप्रिय बनी हुई है। लाखों विद्यार्थी संजीव पास बुक्स से अध्ययन कर सफलता अर्जित कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि स्कूल स्तर के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 3 से 9 के लिए संजीव आल इन वन, कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव पास बुक्स, अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 5 से 8 के लिए संजीव रिफ्रेशर ऑल इन वन, कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव रिफ्रेशर प्रकाशित की जाती हैं। इनके अलावा अंग्रेजी विषय को आसानी से समझने के लिए कक्षा 6 से 12 के लिए संजीव इंग्लिश कोर्स तथा विज्ञान के विद्यार्थियों की सुविधा के लिए कक्षा 11 एवं 12 के लिए उच्चस्तरीय संजीव साइन्स की पाठ्यपुस्तकें भी प्रकाशित की जाती हैं। कॉलेज स्तर पर भी राजस्थान के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों यथा- राजस्थान, भरतपुर, अलवर, सीकर, अजमेर, बीकानेर, कोटा एवं जोधपुर विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमानुसार प्रथम वर्ष से एम.ए. तक के लिए संजीव पास बुक्स प्रकाशित की जाती हैं। संजीव पास बुक्स की लोकप्रियता के बारे में विद्यार्थियों से बात करने पर उन्होंने बताया कि इसमें उन्हें सरल भाषा में पूरा पाठ्यक्रम, पर्याप्त संख्या में प्रश्न-उत्तर, प्रमाणित आंकड़े, नवीनतम जानकारी उचित मूल्य पर उपलब्ध हो जाती है। इसीलिए सभी विद्यार्थी सहायक पुस्तकों के रूप में संजीव पास बुक्स को ही खरीदना पसन्द करते हैं। संजीव प्रकाशन के निदेशक प्रदीप मित्तल एवं मनोज मित्तल के अनुसार संजीव पास बुक्स सहित अन्य सभी पुस्तकें पूर्णत: नवीनतम पाठ्यपुस्तकों एवं नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार तैयार कराई जाती हैं। प्रत्येक विषय की पुस्तक को योग्य तथा अनुभवी विशेषज्ञ प्राध्यापकों से लिखवाया जाता है। इन्हें समय-समय पर पूर्णत: संशोधित तथा अपडेट भी कराया जाता है। इससे सहायक पुस्तकों के रूप में विद्यार्थियों के लिए ये बहुत उपयोगी हो जाती हैं। इन्हीं कारणों से संजीव प्रकाशन द्वारा प्रकाशित संजीव पास बुक्स, संजीव इंग्लिश कोर्स, संजीव साइंस पाठ्यपुस्तकें, संजीव रिफ्रेशर आदि पुस्तकें कक्षा 3 से एम.ए. तक के विद्यार्थियों में अत्यन्त लोकप्रिय हैं।

प्रकाशक : संजीव प्रकाशन, जयपुर

English—Class 7

HONEYCOMB

1. Three Questions
[तीन प्रश्न]

—Leo Tolstoy

आपके पढ़ने से पूर्व—एक राजा के तीन प्रश्न हैं और वह उनका उत्तर ढूंढ़ रहा है। वे प्रश्न क्या हैं? क्या राजा को वह मिलता है जो वह चाहता है?

कठिन शब्दार्थ एवं हिन्दी अनुवाद

I

The thought came ..... every action. (Pages 7-8)

कठिन शब्दार्थ—thought (थॉट्) = विचार। **certain** (सट्न्) = निश्चित। **listen to** (लिसन टु) = सुनना। **therefore** (देअरफॉ(र)) = इसलिए। **messengers** (मेसिन्ज(र्)स) = दूत, संदेशवाहक। **throughout** (थ्रूआउट्) = सम्पूर्ण। **kingdom** (किङ्डम्) = राज्य। **promising** (प्रोमिसिङ्) = वादा करते हुए। **a large sum** (अ लाज् सम्) = एक बड़ी धन-राशि। **wise men** (वाइज् मेन्) = बुद्धिमान व्यक्ति। **answered** (आन्स(र्)ड) = उत्तर दिया। **questions** (क्वेस्चन्स) = प्रश्नों। **differently** (डिफ्रन्ट्लि) = अलग-अलग तरह से। **reply** (रिप्लाइ) = जवाब। **prepare** (प्रिपेअ(र)) = तैयार करना। **then** (देन्) = फिर। **follow** (फॉलो) = पालन करना। **strictly** (स्ट्रिक्ट्लि) = कठोरता से। **proper** (प्रॉप(र)) = उचित। **impossible** (इम्पॉसब्ल्) = असम्भव। **decide** (डिसाइड्) = निश्चित करना। **in advance** (इन् अड्वान्स्) = पहले से ही। **notice** (नोटिस्) = देखना। **was going on** (वाज गउइंग ऑन) = जारी था। **avoid** (अवॉइड्) = बचना। **foolish** (फूलिश्) = मूर्खता। **pleasures** (प्लेश(र्)स) = खुशियाँ। **whatever** (वॉट्एव(र)) = जो कुछ भी। **seemed** (सीम्ड) = प्रतीत हो। **necessary** (नेसेसरि) = आवश्यक। **yet** (येट्) = किन्तु। **needed** (नीडिड्) = आवश्यकता थी। **council** (काउन्स्ल्) = परिषद्। **act** (एक्ट्) = कार्य करना। **because** (बिकॉज्) = क्योंकि। **correctly** (कॅरेक्ट्लि) = ठीक से। **without** (विदाउट्) = के बिना। **action** (ऐक्श्न्) = कार्य।

हिन्दी अनुवाद—एक बार एक राजा के दिमाग में यह विचार आया कि यदि वह तीन बातें जान जाए तो वह जीवन में कभी असफल नहीं होगा। ये तीन बातें थीं—किसी कार्य को आरम्भ करने का उचित समय क्या है? उसे किन लोगों की बात सुननी चाहिए? उसके करने के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य क्या है?

अत: राजा ने अपने सम्पूर्ण राज्य में दूत यह वादा करते हुए भेजे कि जो कोई भी इन तीन प्रश्नों का उत्तर देगा, वह उसे एक बड़ी धन-राशि (उपहारस्वरूप) देगा।

अनेक बुद्धिमान व्यक्ति राजा के पास आये किन्तु उन सभी ने राजा के प्रश्नों के अलग-अलग तरह से उत्तर दिये।

प्रथम प्रश्न के उत्तर में कुछ बुद्धिमान लोगों ने कहा कि राजा को एक उचित समय सारणी अवश्य ही तैयार करनी चाहिए और फिर इसका कठोरता से पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल इस तरीके से ही राजा प्रत्येक कार्य को ठीक समय पर कर पायेगा। अन्य बुद्धिमान लोगों ने कहा कि किसी कार्य को करने के उचित समय का पहले से ही पता लगा लेना असम्भव था। वर्तमान में जारी सभी कार्यों को राजा को देखना चाहिए, मूर्खतापूर्ण खुशियों से बचना चाहिए तथा हमेशा उन कार्यों को करना चाहिए जो उस समय करने आवश्यक हों। फिर भी कुछ अन्य लोगों ने कहा कि राजा को बुद्धिमान व्यक्तियों की एक परिषद् की आवश्यकता है जो राजा को उचित समय पर कार्य करने में सहायता कर सके। इसका कारण यह था कि दूसरे अन्य लोगों की मदद के बिना प्रत्येक कार्य को करने का सही समय निर्धारित कर पाना किसी एक व्यक्ति के लिए असम्भव है।

But then others ..... breathed heavily. (Pages 8-9)

कठिन शब्दार्थ–urgent (अजन्ट्) = अत्यावश्यक। **decision** (डिसिशन्) = निर्णय। **future** (फ्यूच(र)) = भविष्य। **magicians** (मजिशन्ज) = जादूगरों। **councillors** (काउन्सल(र्)स) = सलाहकारों। **priests** (प्रीस्ट्स) = पुजारियों/पुरोहितों। **a few** (अ फ्यु) = कुछ। **chose** (चोज) = चुना। **soldiers** (सोल्ज(र्)स) = सैनिकों। **science** (साइन्स्) = विज्ञान। **fighting** (फाइटिङ्) = लड़ाई। **religious** (रिलिजस्) = धार्मिक। **worship** (वशिप्) = पूजा। **satisfied** (सैटिस्फाइड्) = संतुष्ट। **reward** (रिवॉर्ड्) = इनाम। **instead** (इन्स्टेड) = के बजाय। **seek** (सीक्) = लेना। **advice** (अड्वाइस्) = सलाह। **hermit** (हमिट्) = संन्यासी। **widely** (वाइड्लि) = दूर-दूर तक। **known for** (नोन् फॉ(र)) = प्रसिद्ध होना। **wisdom** (विज्डम्) = बुद्धिमानी। **wood** (वुड्) = जंगल/वन। **put on** (पुट् ऑन्) = पहनना। **ordinary** (ऑर्डिन्रि) = साधारण। **reached** (रीच्ट) = पहुँचा। **bodyguard** (बॉडिगार्ड) = अंगरक्षक। **digging** (डिगिङ्) = खोदते हुए। **ground** (ग्राउन्ड्) = जमीन। **in front of** (इन् फ्रन्ट् ऑफ्) = के सामने। **greeted** (ग्रीटिड) = अभिवादन किया। **continued** (कन्टिन्यूड) = जारी रखा। **breathed** (ब्रीद्ड) = श्वांस ली। **heavily** (हेविलि) = जोर-जोर से।

हिन्दी अनुवाद–किन्तु फिर अन्य लोगों ने कहा कि कुछ ऐसे कार्य भी हो सकते हैं जो अत्यावश्यक हों। ये कार्य सलाहकार परिषद् के निर्णय तक रोके नहीं रखे जा सकते हैं। किसी कार्य को करने के उचित समय की निश्चितता के लिए भविष्य की जानकारी आवश्यक होती है। और केवल जादूगर ही यह कार्य कर सकते हैं। राजा को इसलिए जादूगरों के पास जाना पड़ेगा।

दूसरे प्रश्न के उत्तर में कुछ ने कहा कि राजा को सर्वाधिक सलाहकारों की आवश्यकता है; जबकि अन्य दूसरे ने कहा कि पुरोहितों की सर्वाधिक आवश्यकता है। कुछ अन्य दूसरे ने चिकित्सकों की आवश्यकता होने को चुना। और कुछ अन्य लोगों ने कहा कि राजा के सैनिक सर्वाधिक आवश्यक हैं।

तीसरे प्रश्न के उत्तर में कुछ लोगों ने विज्ञान के लिए कहा। दूसरे अन्य लोगों ने लड़ाई को चुना तथा कुछ अन्य ने धार्मिक पूजा को चुना।

चूँकि राजा के प्रश्नों के उत्तर बहुत ही भिन्न-भिन्न थे इसलिए राजा उनसे सन्तुष्ट नहीं हुआ और कोई इनाम नहीं दिया। इसके बजाय उसने एक एकान्तवासी संन्यासी की सलाह लेने का निश्चय किया जो कि अपनी बुद्धिमानी के लिए दूर-दूर तक जाना जाता था।

वह संन्यासी एक जंगल में रहता था जिसे उसने कभी नहीं छोड़ा। वह केवल साधारण लोगों से ही मिलता था इसलिए राजा ने भी साधारण वस्त्र धारण कर लिए। उस संन्यासी के आश्रम में पहुँचने से पहले राजा ने अपने घोड़े को अपने अंगरक्षक के पास छोड़ दिया और अकेले ही आगे गया।

जैसे ही राजा उस संन्यासी की झोंपड़ी के पास आया उसने संन्यासी को अपनी झोंपड़ी के सामने जमीन खोदते हुए देखा। उसने राजा का अभिवादन किया और जमीन खोदना जारी रखा। संन्यासी वृद्ध एवं कमजोर था और चूँकि वह कठिन परिश्रम कर रहा था इसलिए वह जोर-जोर से साँस ले रहा था।

The king went ..... said the hermit. (Pages 9-10)

कठिन शब्दार्थ–affairs (अफेअ(र्)स) = कार्य। **spade** (स्पेड्) = फावड़ा। **beds** (बेड्ज) = क्यारियाँ। **stopped** (स्टॉप्ट) = रुका। **repeated** (रिपीटिड्) = दोहराये। **stood up** (स्टुड् अप्) = खड़ा हो गया। **stretching out** (स्ट्रेचिङ् आउट्) = फैलाते हुए। **passed** (पास्ट) = गुजर गया। **stuck** (स्टक्) = अटका। **return** (रिटन्) = लौटना।

हिन्दी अनुवाद–राजा संन्यासी के पास गया और बोला, "हे बुद्धिमान संन्यासी, मैं तीन प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करने के लिए आपके पास आया हूँ—मैं सही वक्त पर सही कार्य करना कैसे जान सकता हूँ? वे कौन लोग हैं जिनकी मुझे सर्वाधिक आवश्यकता है? और कौनसे कार्य सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण हैं?"

संन्यासी ने राजा की बात सुनी लेकिन बोला कुछ नहीं। उसने खुदाई जारी रखी। 'आप थक गये हैं', राजा ने कहा, 'लाइए, फावड़ा मुझे दीजिए और आपके स्थान पर कार्य करने दीजिए।'

राजा को अपना फावड़ा देते हुए उस संन्यासी ने कहा, 'धन्यवाद।' फिर वह जमीन पर बैठ गया।

जब राजा दो क्यारियाँ खोद चुका था तो वह रुका और अपने प्रश्न दोहराये। संन्यासी ने कोई उत्तर नहीं दिया, तथापि वह खड़ा हो गया, फावड़े के लिए अपने हाथ फैलाते हुए उसने कहा, 'अब आप आराम करें और मुझे कार्य करने दें।'

किन्तु राजा ने उसे फावड़ा नहीं दिया और खुदाई जारी रखी।

एक घण्टा गुजर गया, फिर दूसरा घण्टा गुजर गया। सूरज, वृक्षों के पीछे जाकर छिप गया था और अन्त में राजा ने फावड़े को जमीन में धँसा दिया और कहा, 'हे बुद्धिमान संन्यासी, मैं अपने प्रश्नों के उत्तर के लिए आपके पास आया हूँ। यदि आप मुझे कोई उत्तर नहीं दे सकते हैं तो मुझे ऐसा बताइए ताकि मैं अपने घर लौट सकूँ।'

'देखिए कोई दौड़ता हुआ यहाँ आ रहा है', संन्यासी ने कहा।

II

The king turned.....the bed was. (Pages 10-11-12)

कठिन शब्दार्थ–turned (टन्ड) = घूमा। **bearded** (बिअडिड्) = दाढ़ी वाला। **towards** (टवॉड्ज्) = की ओर। **pressed** (प्रेस्ट) = दबा रखे थे। **stomach** (स्टमक्) = पेट। **flowing** (फ्लोइङ्) = बह रहा था। **fainted** (फेन्टिड) = बेहोश हो गया। **fell** (फेल्) = गिर गया। **removed** (रिमूव्ड) = उतारे। **clothing** (क्लोदिङ्) = वस्त्र। **found** (फाउन्ड्) = पाया। **wound** (वून्ड्) = घाव। **washed** (वॉश्ट) = साफ किया। **covered** (कव(र्)ड) = ढक दिया। **handkerchief** (हैङ्कचिफ्) = रुमाल। **redressed** (रिड्रेस्ट) = पुन: मरहम-पट्टी की। **bleeding** (ब्लीडिङ्) = रक्तस्राव। **asked for** (आस्क्ट फॉ(र)) = माँगा। **brought** (ब्रॉट्) = लाया। **fresh water** (फ्रेश् वॉट(र)) = ताजा जल। **set** (सेट्) = अस्त होना। **carried** (कैरिड्) = ले गया। **laid** (लेड्) = लिटा दिया। **lay quiet** (ले क्वाइअट) = शान्ति से लेट गया। **tired** (टाइअड्) = थका हुआ। **slept** (स्लेप्ट) = सोया। **awoke** (अवोक्) = सोकर उठा। **several minutes** (सेव्रल् मिनिट्स) = कुछ मिनिट। **remember** (रिमेम्ब(र)) = याद करना। **strange** (स्ट्रेन्ज्) = अजनबी।

हिन्दी अनुवाद–राजा मुड़ा और एक दाढ़ी वाले व्यक्ति को उनकी तरफ दौड़कर आते देखा। उसने हाथों से पेट दबा रखा था तथा जिससे रक्त स्रावित हो रहा था। जब वह राजा तक पहुँचा वह बेहोश हो गया तथा जमीन पर गिर पड़ा। राजा व संन्यासी ने उस आदमी के वस्त्र हटाए और पाया कि उसके पेट में एक बड़ा घाव था। राजा ने घाव को साफ किया और इसे अपने रुमाल से ढक दिया फिर भी रक्तस्राव नहीं रुका। राजा ने घाव की पुन: मरहम-पट्टी की जब तक कि रक्तस्राव बन्द नहीं हो गया।

उस आदमी को आराम आया और उसने कुछ पीने को माँगा। राजा ताजा जल लाया और इसे उस आदमी को दे दिया। अब तक सूरज अस्त हो चुका था और हवा ठण्डी थी। राजा, संन्यासी की सहायता से उस घायल व्यक्ति को झोंपड़ी में ले आया और उसे बिस्तर पर लिटा दिया था। उस आदमी ने अपनी आँखें बंद कर लीं और शान्ति से लेट गया। राजा जो कि अपने पैदल चलने से तथा कार्य करने से थक गया था, वह फर्श पर ही लेट गया और रात-भर सोता रहा। जब वह सोकर उठा तो कुछ मिनिट हो गये उससे पहले कि वह याद कर सका कि वह कहाँ था या उस बिस्तर पर लेटा हुआ वह दाढ़ी वाला आदमी कौन था।

'Forgive me!'.....wise man.' (Page 12)

कठिन शब्दार्थ–forgive (फगिव्) = क्षमा करना। **voice** (वॉइस्) = आवाज। **awake** (अवेक्) = जागृत। **enemy** (एनमि) = शत्रु। **swore** (स्वॉ(र)) = कसम उठाई। **revenge** (रिवेन्ज्) = बदला। **seized** (सीज्ड) = छीन ली। **property** (प्रॉपटि) = सम्पत्ति। **made up my mind** (मेड् अप् माइ माइन्ड्) = दृढ़ निश्चय कर लिया था। **kill** (किल्) = मारना। **hiding place** (हाइडिङ् प्लेस्) = छिपने का स्थान। **recognised** (रेकग्नाइज्ड) = पहचान लिया। **escaped** (इस्केप्ट) = बचकर निकला। **serve** (सव्) = सेवा करना। **faithful** (फेथ्फ्ल्) = विश्वासपात्र। **peace** (पीस्) = शान्ति। **easily** (इजिलि) = आसानी से। **promised** (प्रॉमिस्ट) = वादा किया। **leaving** (लीविङ्) = छोड़ते हुए। **wished** (विश्ट) = चाहा। **knees** (नीज) = घुटने। **sowing** (सोइङ्) = उगाते हुए। **seeds** (सीड्ज) = बीज। **beg** (बेग्) = विनती करना।

हिन्दी अनुवाद–'मुझे क्षमा कर दें!' उस दाढ़ी वाले आदमी ने कमजोर आवाज में कहा, जब उसने देखा कि राजा जग चुका था।

'मैं आपको नहीं जानता हूँ और किस बात के लिए क्षमा करूँ यह भी नहीं जानता हूँ', राजा ने कहा।

'आप मुझे नहीं जानते हैं किन्तु मैं आपको जानता हूँ। मैं आपका वह शत्रु हूँ जिसने आपसे बदला लेने की कसम उठाई थी क्योंकि आपने मेरे भाई को मृत्यु-दण्ड दे दिया था तथा मेरी सम्पत्ति छीन ली थी। मैं जानता था कि आप इस संन्यासी से मिलने अकेले गये हैं और मैंने निश्चय किया कि आपके घर लौटते समय मैं आपकी हत्या कर दूँगा। किन्तु

दिन गुजर गया और आप नहीं लौटे। अत: मैं अपने छिपने के स्थान से बाहर आया तो आपके अंगरक्षक से सामना हो गया जिसने मुझे पहचान लिया और मुझे घायल कर दिया। मैं उससे बचकर भागा और मैं अब तक मर चुका होता यदि आपने मेरे घावों पर मरहम-पट्टी नहीं की होती। मैं आपको मारना चाहता था और आपने मेरा जीवन बचाया। अब यदि मैं जीवित रहा तो आपके सर्वाधिक विश्वासपात्र सेवक के जैसे सेवा करूँगा और अपने पुत्रों को भी ऐसा ही करने का आदेश दूँगा। मुझे क्षमा कर दें!'

अपने शत्रु से इतनी आसानी से सुलह हो जाने से तथा उसे एक मित्र के रूप में जीत लेने से राजा बहुत प्रसन्न था। उसने न केवल उसे माफ कर दिया वरन् यह भी कहा कि वह अपने सेवकों व निजी चिकित्सक को उसकी देखभाल के लिए भी भेजेगा और राजा ने यह भी वादा किया कि उसकी छीनी गई सम्पत्ति भी लौटा दी जायेगी।

घायल व्यक्ति को वहीं छोड़कर राजा उस झोंपड़ी से बाहर गया तथा संन्यासी को चारों ओर तलाशने लगा। जाने से पूर्व राजा ने एक बार पुन: चाहा कि उसके प्रश्नों के उत्तर मिल जायें। वह संन्यासी अपने घुटनों के बल झुक कर उन क्यारियों, जिन्हें एक दिन पूर्व खोदा गया था, में बीज बो रहा था। राजा उस संन्यासी के पास गया और बोला, ''हे बुद्धिमान व्यक्ति, मैं आप से अन्तिम बार निवेदन करता हूँ कि मुझे मेरे प्रश्नों के उत्तर दीजिए।''

'You have already.....purpose alone.' (Page 13)

कठिन शब्दार्थ–already (ऑल्रेडि) = पहले ही। **bending down** (बेन्डिङ् डाउन्) = नीचे झुकते हुए। **before** (बिफॉ(र)) = के सामने। **mean** (मीन्) = आशय। **had not pitied** (हैड् नॉट् पिटिड) = दया नहीं दिखाई होती। **attacked** (अटैक्ट) = आक्रमण कर दिया। **wished** (विश्ट) = चाहा होता। **stayed** (स्टेड्) = रुका रहा। **business** (बिज्नस्) = कार्य। **afterwards** (आफ्टवड्ज्) = बाद में। **caring** (केअ(रि)ङ्) = देखभाल करते हुए। **now** (नाउ) = अब/वर्तमान। **particular** (पटिक्यल(र)) = विशेष। **moment** (मोमन्ट्) = समय। **knows** (नोज) = जानता है। **world** (वल्ड्) = संसार।

हिन्दी अनुवाद–'आपके प्रश्नों के उत्तर पहले ही दिये जा चुके हैं!' संन्यासी ने नीचे जमीन पर झुकते हुए तथा राजा की तरफ देखते हुए कहा जब राजा उसके सामने खड़ा था।

'मेरे प्रश्नों का उत्तर कैसे दे दिया गया है? आपका क्या आशय है?'

'क्या आप नहीं समझ रहे हैं?' उस संन्यासी ने उत्तर देते हुए कहा, 'यदि कल आपने मेरी कमजोरी पर दया नहीं दिखाई होती और ये क्यारियाँ मेरे लिए नहीं खोदी होतीं तो आप यहाँ से जा चुके होते। और तब तो वह आदमी आप पर आक्रमण कर चुका होता और आप सोचते हुए चाहते कि आप मेरे (संन्यासी) साथ ही क्यों नहीं रुके रहे। अत: सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण समय वह था जब आप क्यारियाँ खोद रहे थे। और मैं सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण व्यक्ति था और मेरे कल्याण के कार्य करना आपके लिए सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कार्य था। बाद में, जब वह आदमी दौड़ता हुआ हमारे पास आया तब सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण समय वह था जब आप उसकी देखभाल कर रहे थे क्योंकि यदि आपने उसके घावों की मरहम-पट्टी नहीं की होती तो वह आपसे सुलह किये बिना ही मर जाता। इसलिए वह आदमी ही आपके लिए सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण व्यक्ति था और जो कुछ भी आपने उसके लिए किया वह आपका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कार्य था।'

'तो याद रखना कि केवल एक समय ही महत्त्वपूर्ण होता है और वह समय है 'अब/वर्तमान'। यह सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण समय होता है क्योंकि यही वह समय है जब हमारे पास कोई कार्य कर सकने की शक्ति होती है।'

'सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण व्यक्ति वह होता है जिसके साथ आप एक विशेष समय रह रहे होते हैं क्योंकि कोई यह नहीं जानता कि भविष्य में क्या होगा और यह कि क्या आप किसी अन्य से मिल भी पाएँगे। सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कार्य यह होता है कि हम उस व्यक्ति का भला करें क्योंकि हमें इस संसार में केवल इस ही उद्देश्य के लिए भेजा गया है।

IN TEXT QUESTIONS

COMPREHENSION CHECK

Page 10

Q. 1. Why did the king want to know answers to three questions?
राजा तीन प्रश्नों का उत्तर क्यों जानना चाहता था?

Ans. The king wanted to know answers to three questions because he didn't want to fail in his life in any affair.
राजा तीन प्रश्नों का उत्तर इसलिए जानना चाहता था क्योंकि वह जीवन में किसी भी कार्य में असफल नहीं होना चाहता था।

Q. 2. Messengers were sent throughout the kingdom. सम्पूर्ण राज्य में संदेशवाहक भेजे गये।